वन उत्पादकता संस्थान, रांची

आण्विक जीव विज्ञान तकनीकी
(Molecular Biology Techniques)
विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण

दिनांक 24.02.2021 से 25.02.2021

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून द्वारा प्रायोजित मानव संसाधन विकास योजना के अंतर्गत वन उत्पादकता संस्थान रांची के निदेशक डा . नितिन कुलकर्णी ने आभासीय मंच के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक ने उद्घाटन संबोधन में बाह्य विशेषज्ञों एवं संस्थान के प्रशिक्षकों का स्वागत करते हुए महानिदेशक महोदय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निर्देशन में वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा इस श्रृंखला का आठवाँ (8^{th}) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने प्रतिभागी वैज्ञानिकों जो परिषद के विभिन्न संस्थानों जैसे की वन अनुसंधान संस्थान , देहरादून; उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान , जबलपुर, वन अनुसंधान कौशल विकास केंद्र , छिंदवाड़ा, शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर, वन जैव विविधता संस्थान , हैदराबाद, वर्षा वन अनुसंधान संस्थान , जोरहाट, काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु, वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान , कोयंबटूर एवं वन उत्पादकता संस्थान, रांची से थे को संबोधित करते हुए आण्विक जीव विज्ञान तकनीकी के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा की आण्विक जीव विज्ञान कि तकनीकियों को उपयोग कर कम समय में ही पौधों की उन्नत किस्मों को तैयार किया जा सकता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. आदित्य कुमार ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उनका परिचय कराया एवं प्रशिक्षण के विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। संस्थान के समूह समन्वयक (अनुसंधान), डॉ. योगेश्वर मिश्रा ने अपने सम्बोधन में विषय के महत्व एवं आवश्यकता पर बल दिया तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. आदित्य कुमार ने किया।

प्रशिक्षण के प्रथम दिवस डॉ. आदित्य कुमार, वैज्ञानिक-डी, वन उत्पादकता संस्थान , राँची द्वारा **Molecular markers and their applications in forest tree Improvement** विषय पर व्याख्यान दी गयी, इसके पश्चात वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के डॉ. राजेंद्र कुमार मीणा द्वारा **Development and application of SSR markers in forestry tree species** विषय पर व्याख्यान दी गयी, इसके पश्चात वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष

प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर के डॉ. आर. यशोदा द्वारा **Genome sequencing applications in forest trees** विषय पर व्याख्यान दी गयी और प्रथम दिवस के अंत में श्रीमती खुश्बू कुमारी, रिसर्च स्कॉलर, वन उत्पादकता संस्थान , राँची द्वारा **Introduction of equipment's utilized in Molecular biology and Variants of PCR** विषय पर चर्चा की गयी।

प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस डॉ . पी. एस. सन्मुगावदिवेल, वैज्ञानिक, आइ.आइ.पी.आर. कानपुर (आइ.सी.ए.आर.) द्वारा **Association mapping techniques and data processing** विषय पर व्याख्यान दिया गया ।इसके पश्चात आइ. आइ. ए. बी. नामकोम, राँची के वैज्ञानिक डॉ . किशोर यू. त्रिभुवन द्वारा **An insight into Transcriptome analysis** विषय पर व्याख्यान दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों ने अपने कार्यों में आ रही दिक्कतों पर चर्चा की एवं आइ .सी.ए.आर. के प्रशिक्षकों से भविष्य में collaboration पर चर्चा की। अंत में प्रतिभागियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया गया।

प्रशिक्षण के समापन सत्र में संस्थान के समूह समंवयक (अनुसंधान), डा. योगेश्वर मिश्रा, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों की उपस्थिति रही। डॉ . अनिमेष सिन्हा , वैज्ञानिक-एफ एवं विभागाध्यक्ष, आनुवंशिक एवं वृक्ष सुधार प्रभाग , वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने सभी का धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के श्री सुभाष प्रसाद , श्री एस .एन.वैद्य, श्री बी .डी.पंडित, श्री सूरज कुमार तथा श्री बसंत कुमार का प्रमुख योगदान रहा।

आण्विक जीव विज्ञान तकनीकी विषय पर प्रशिक्षण की झलकियां

आण्विक जीव विज्ञान तकनीकी विषय पर प्रशिक्षण की झलकियां

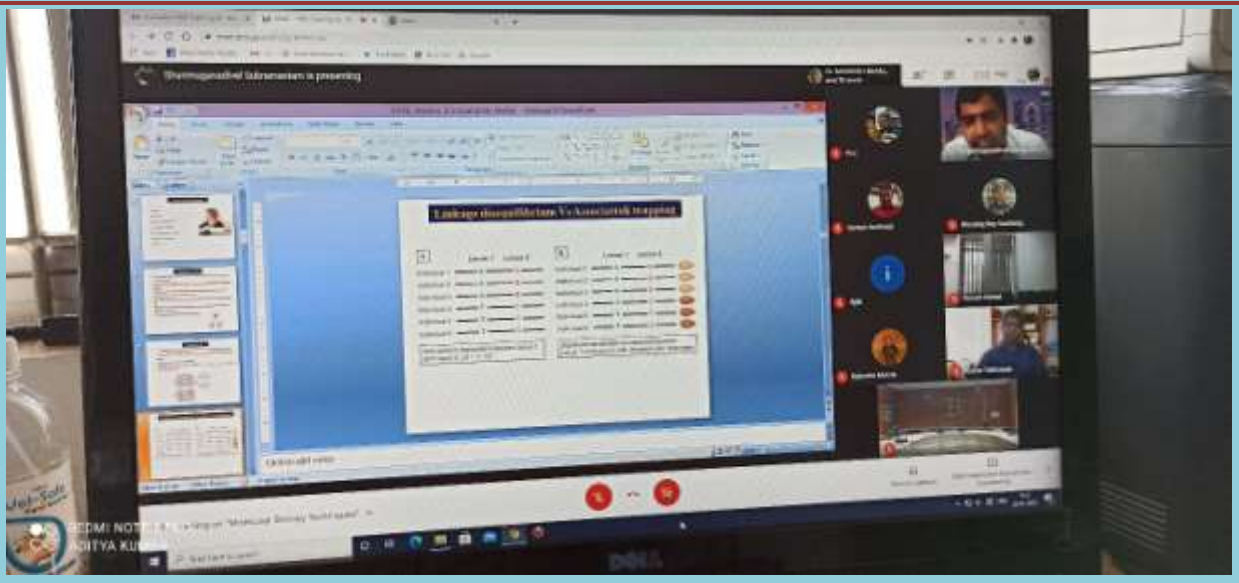

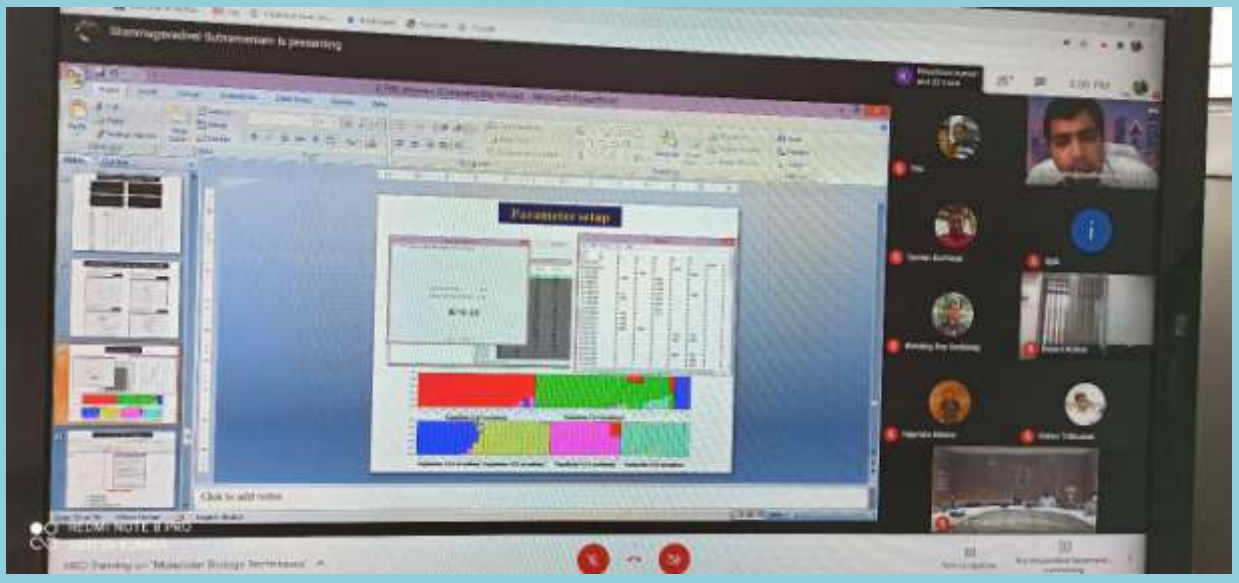

आण्विक जीव विज्ञान तकनीकी विषय पर प्रशिक्षण की झलकियां